भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 3544

सोमवार, 10 अगस्त, 2026/19 श्रावण, 1948 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

प्रसाद योजना के अंतर्गत चंबा की मणिमहेश यात्रा का समावेशन

3544. डॉ. राजीव भारद्वाज:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक संवर्धन अभियान (प्रसाद) योजना के अंतर्गत चंबा जिले की प्रसिद्ध मणिमहेश यात्रा और उससे जुड़े पवित्र स्थानों को शामिल करने का विचार है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या राज्य सरकार ने उक्त यात्रा को प्रसाद योजना के अंतर्गत शामिल करने के लिए केंद्र सरकार को कोई प्रस्ताव भेजा है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): पर्यटन स्थलों और पर्यटन उत्पादों का विकास मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकारों और संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों द्वारा किया जाता है। हालांकि, पर्यटन मंत्रालय, अपनी विभिन्न योजनाओं जैसे, स्वदेश दर्शन (एसडी), स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0), चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी) और तीर्थस्थल कायाकल्प एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद) के अंतर्गत, हिमाचल प्रदेश राज्य सहित पूरे देश में पर्यटकों को बेहतर अनुभव प्रदान करने के लिए पर्यटन से संबंधित अवसंरचना के विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करके राज्यों और संघ राज्यक्षेत्रों के प्रयासों को संपूरित करता है।

पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त करने संबंधी प्रस्ताव संबंधित राज्य सरकारों और संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों द्वारा तैयार किए जाते हैं। प्राप्त प्रस्तावों की निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार जांच की जाती है और निर्धारित शर्तों की पूर्ति तथा निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

वर्तमान में, पर्यटन मंत्रालय में चंबा जिले की मणिमहेश यात्रा और उससे जुड़े स्थलों को प्रशाद योजना के अंतर्गत शामिल करने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। हालांकि, मंत्रालय ने अपनी स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत वर्ष 2016-2017 में 68.34 करोड़ रुपये की राशि की 'हिमालयन परिपथ: कियारीघाट, शिमला, हाटकोटी, मनाली, कांगड़ा, धर्मशाला, बीर, पालमपुर, चंबा का विकास' नामक एक परियोजना को स्वीकृति प्रदान की है।

*****